

**खोता** पुं. (देश.) घोंसला, वृक्षों पर घास, फूस आदि से बना हुआ चिड़ियों का निवास-स्थान।

**खोप** स्त्री. (देश.) 1. सिलाई में दूर-दूर लगा हुआ टांका 2. दरार।

**खोपना** स.क्रि. (देश.) गड़ाना, धँसाना, भोंकना, चुभा देना।

**खोसना** स.क्रि. (देश.) अटकाना, फँसाना जैसे- कमर में धोती की लाँग खोसना, टोपी में कलगी खोसना।

**खोड़या** पुं. (देश.) 1. धोती या साड़ी का अंचल, किनारा 2. शकुन के रूप में किसी (स्त्री) के अंचल में चावल, गुड़ आदि देना।

**खोई** स्त्री. (देश.) 1. ईख का वह भाग जो रस निकल जाने के बाद कोल्हू में शेष रह जाता है 2. भुने हुए चावल या धान की खील, लाई।

**खोखर** पुं. (देश.) एक राग, खोखला।

**खोखला** वि. (देश.) भीतर से खाली, पोला, सारहीन, खाली स्थान, पोली जगह, बड़ा छेद, रंध जिसमें तत्व का सार न हो, थोथा, निस्सार।

**खोखा** पुं. (देश.) 1. वह कागज जिस पर हुँडी लिखी हुई हो 2. चुकाई हुई हुँडी 3. बालक, लड़का 4. लकड़ी से बनी एक छोटी अस्थायी दुकान जैसे- पान का खोखा।

**खोज** स्त्री. (देश.) 1. अनुसंधान, शोध, तलाश, अन्वेषण 2. छिपी हुई वस्तु को ढूँढ़ने का काम 3. चिह्न, निशान 4. पहिये की लीक मुहा. खोज खबर लेना- हाल चाल जानना; खोज मिटाना-नष्ट करना, ध्वस्त करना, बरबाद करना; खोज मारना- लीक या पैर का चिह्न नष्ट करना, जिसमें कोई पता न लगा सके।

**खोजक** वि. (देश.) खोज करने वाला, तलाश करने वाला, ढूँढ़ने वाला।

**खोजना** स.क्रि. (देश.) ढूँढ़ना, तलाश करना, पता लगाना।

**खोजा** पुं. (फा.) 1. हिजड़ा 2. वह व्यक्ति जो मुसलमानी हरमों में सेवक या द्वार रक्षक की भाँति रहता है 3. सेवक, नौकर 4. एक तिजारत पेशा मुसलमान आदि।

**खोजी** वि. (देश.) 1. खोजने वाला, ढूँढ़ने वाला 2. नौकर, 3. शोधकर्ता, अन्वेषक (व्यंग्य)।

**खोट** स्त्री. (देश.) 1. दोष, बुराई, खता, कसूर 2. किसी उत्तम वस्तुओं में निकृष्ट वस्तु की मिलावट जैसे- सुनार ने इस गहने में कुछ खोट मिलाया है 3. किसी बात में होने वाला दोष, खोटापन।

**खोटा** वि. (देश.) 1. जिसमें खोट हो, बुरा, खरा का उलटा 2. नकली, बनावटी, दुष्टात्मा 4. झूठा जैसे- खोटा रुपया, खोटा सोना, खोटा आदमी मुहा. खरा-खोटा- बुरा भला; खोटा खाना-बेईमानी से कमाकर खाना; खोटा बोलना- बुरी बात बोलना; खरी खोटी सुनाना- दुर्वचन कहना।

**खोटाई** स्त्री. (देश.) 1. खोटापन, बुराई 2. छल 3. दोष, दुष्टता।

**खोटापन** पुं. (देश.) 1. खोटा होने का भाव 2. क्षुद्रता।

**खोटि/खोटी** स्त्री. (देश.) 1. दुश्चरित्र, व्यभिचारिणी 2. चालबाज औरत, मक्कार।

**खोड़** वि. (तद्.) अपंग, विकलांग, लंगड़ा-लूला स्त्री. भूत-प्रेत का आवेश, दैव कोप, ऊपरी फेर पुं. (तद्.) वह छेद जो पुराने पेड़ की लकड़ी के सड़ जाने से होता है।

**खोड़रा** पुं. (तद्.) 1. पुराने पेड़ का खोखला भाग, कोटर 2. दाँत आदि के भीतर का गड़ढा।

**खोद** पुं. (फा.) लोहे का बना टोप, शिरस्त्राण।

**खोदना** स.क्रि. (देश.) 1. खुरचना, कुरेदना, गड़ढा करना, खोदकर उखाड़ना जैसे- कुआँ खोदना, जमीन खोदना 2. किसी आघात से कोई चीज तोड़ना 3. किसी वस्तु पर जमा हुआ मैल निकालना 4. धातु, पत्थर, लकड़ी पर कुछ उकेरना 5. उत्तेजित करने या उकसाने का प्रयत्न करना मुहा. खोद-खोद कर पूछना- एक बात पर शंका करके पूछना, अच्छी तरह पूछना।

**खोदनी** स्त्री. (देश.) खोदने का छोटा औजार स्त्री. (देश.) कान खोदनी- कान से खोदकर मैल निकालने की सीक, दाँत खोदनी-दाँत से खोदकर मैल निकालने की कील।